अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ

॥ शिक्षा-भूषण ॥

अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान, विक्रम संवत् 2079

शिक्षा-भूषण त्रयी : एक परिचय

भारत का वर्तमान समय सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक-राजनीतिक तथा शैक्षिक दृष्टि से विचारधारात्मक परिवर्तन का समय है। संप्रति 'स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव' की पृष्ठभूमि में समूचा देश 'इंडिया' से पुनः 'भारत' बनने की ओर उत्तरोत्तर अग्रसर है। राष्ट्रोत्थान के अनुकूल इन सकारात्मक परिवर्तनों में शिक्षक की सदैव महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। शिक्षक ही वह व्यक्ति है जो नागरिकों में ज्ञान-विज्ञान का सतत् प्रणयन और प्रकीर्णन करता है। इसलिए भारतीय समाज में शिक्षक का सर्वोच्च स्थान एवं सम्मान रहा है। हमारे देश में विविध विषयों के अगणित योग्य शिक्षक हैं जिनका संपूर्ण जीवन राष्ट्र-आराधन तथा समाज-निर्माण में लगा है। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ऐसे गण्यमान्य शिक्षकों को सन 2015 से समारोह पूर्वक सम्मानित कर रहा है।

महासंघ भारत को निरंतर प्रगति के पथ पर ले जाने के उद्देश्य से शिक्षा-जगत एवं समाज-जीवन के अनेक प्रकल्पों एवं योजनाओं के माध्यम से अपने राष्ट्र-भाव को प्रदर्शित करता रहा है। स्वच्छता अभियान, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्मोत्सव पर रक्तदान शिविर, कर्तव्य-बोध दिवस, गुरु वंदन कार्यक्रम, भारतीय नव संवत्सर समारोह, शाश्वत जीवन मूल्यों पर जन जागरण अभियान, सामाजिक समरसता पर केंद्रित कार्यक्रम तथा संप्रति स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव पर केंद्रित कार्यक्रमों के माध्यम से महासंघ तथा उससे संबंधित अनेक शिक्षक संगठन अपनी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को प्रकट करते रहे हैं।

विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी महासंघ देश के तीन अग्रणी, सुविख्यात, कर्मयोगी तथा राष्ट्रीयता-बोध से ओतप्रोत प्रतिष्ठित शिक्षाविदों को समारोह पूर्वक सम्मानित कर रहा है जिनका शिक्षा जगत में असाधारण योगदान रहा है। विक्रम संवत् 2079 के लिए महासंघ ने शिक्षा-भूषण सम्मान हेतु जिन ख्यातनाम शिक्षाविदों का मनोनयन किया है, उनका संक्षिप्त परिचय इस पुस्तिका मं दिया जा रहा है।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ

॥ शिक्षा-भूषण ॥

अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान, विक्रम संवत् 2079

अभिनंदन-पत्र

परम सम्माननीय डॉ. एम.के. श्रीधर जी,

शैक्षिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विषयों के भावसंयमी प्रचेता, शोध-अनुसंधान, शोध-निर्देशन, प्रबंधन, शिक्षा-नीति निर्माण आदि के कार्य में अनवरत सलग्न शिक्षा-कर्मवीर, राष्ट्रीय विचारधारा के प्रबल समर्थक, गहन ज्ञान-मीमांसक, भारतीय ज्ञान-परंपरा के गंभीर अन्वेषी तथा सामाजिक सांस्कृतिक विषयों को कलात्मक ढंग से प्रस्तुत करने वाले प्रबंध मनीषी डॉ. एम.के. श्रीधर जी को 'शिक्षा-भूषण' अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान से विभूषित करते हुए अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ गौरवान्वित अनुभव कर रहा है।

प्रोफेसर श्रीधर ने वाणिज्य संकाय में स्नातकोत्तर की शिक्षा पूर्ण करने के बाद मैसूर विश्वविद्यालय कर्नाटक से पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की। तदुपरांत दो दशकों तक विजया महाविद्यालय, बेंगलुरु में वाणिज्य संकाय में वरिष्ठ प्राध्यापक के पद पर अध्यापन कार्य किया। अध्यापन के सुदीर्घ अनुभव के उपरांत आपने बेंगलुरु विश्वविद्यालय के प्रबंध अध्ययन विभाग में मैनेजमेंट स्टडीज के क्रमशः रीडर, प्रोफेसर, अधिष्ठाता और तत्पश्चात संस्थान के निदेशक के पद पर अनेक उल्लेखनीय कार्य किए। आपने अध्यापन कार्य के साथ अनेक विद्यार्थियों को एम.फिल. तथा पीएच.डी. शोध-कार्य में निर्देशन एवं सहयोग किया। अध्ययन-अध्यापन के साथ आपने लगभग 30 शोध-पत्र तथा विभिन्न सरकारों और अन्य संस्थाओं द्वारा स्वीकृत एवं प्रायोजित 11 अकादमिक शोध-परियोजनाएँ भी संपूर्ण की हैं जिनकी उपपत्तियों-निष्कर्षों को सरकार की नीतियों में सम्मिलित किया गया है।

आपके जीवन की महत्त्वपूर्ण उपलब्धियों का विवरण इनकी मार्मिक तथा बहु-पठित पुस्तक SAHASRA PADI और USHAKIRAN AND KARMAVEERA में प्रकाशित है। यह भी उल्लेख्य है कि शिक्षा जगत को प्रदत्त आप की उपलब्धियों का उदय टीवी तथा कर्नाटक सरकार के सूचना एवं प्रसारण विभाग द्वारा ACHIEVER के रूप में प्रसारण किया गया है।

डॉ. श्रीधर कर्नाटक ज्ञान आयोग के सदस्य सचिव, कर्नाटक सरकार की राज्य नवोन्मेष परिषद के सदस्य मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड के नामित सदस्य, अखिल भारतीय प्रबंध अध्ययन बोर्ड (एआईसीटीई) के सदस्य, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय की कार्यकारिणी परिषद के सदस्य, शिक्षा एवं सामाजिक अध्ययन केंद्र (सीईएसएस) बेंगलुरु के मानद् अध्यक्ष, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति आयोग (डॉ. के. कस्तूरीरंगन) की ड्राफ्ट समिति के नामित सदस्य, कर्नाटक के राज्यपाल महोदय द्वारा इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के कर्नाटक चैप्टर के उपाध्यक्ष तथा केन्द्र सरकार द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सदस्य के रूप में भी हमारा मार्गदर्शन करते हैं।

शिक्षा जगत में आपके महत्त्वपूर्ण योगदान तथा परिलब्धियों से प्रभावित होकर कर्नाटक राज्य सरकार का 'कर्नाटक राज्योत्सव सम्मान', वृहत् बेंगलुरु महानगर पालिका द्वारा केंपेगौड़ा सम्मान, इंडियन साइंस कांग्रेस द्वारा जनरल प्रेसिडेंट स्वर्ण पदक आदि अलंकरणों से भी विभूषित किया जा चुका है।

प्रबंधन तथा अनुसंधान में भारतीय जीवन दृष्टि तथा शिक्षा नीति निर्धारण में दिया गया मार्गदर्शन आपको एक विशिष्ट तथा महनीय शिक्षक बनाता है। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ आपकी शिक्षा जगत में हुई कीर्ति की हार्दिक अभ्यर्थना करता है तथा ईश्वर से आपके दीर्घायु तथा स्वस्थ आयुष्य की मंगल कामना करता है।

मार्गशीर्ष कृष्ण चतुर्थी, विक्रम संवत् 2079 (12 नवम्बर, 2022)

शिवानन्द सिन्दनकेरा
महामंत्री
(अ.भा.रा.शै.महासंघ)

जगदीश प्रसाद सिंघल
अध्यक्ष
(अ.भा.रा.शै.महासंघ)

प्रोफेसर एम.के. श्रीधर

शिक्षा

- शिक्षा : वाणिज्य स्नातकोत्तर
- पीएच.डी., मैसूर विश्वविद्यालय

अध्यवसाय एवं पदानुभव

वरिष्ठ प्राध्यापक (वाणिज्य) के पद पर विजया महाविद्यालय बेंगलुरु में 20 वर्ष अध्यापन, बेंगलुरु विश्वविद्यालय के प्रबंध अध्ययन विभाग में मैनेजमेंट स्टडीज के क्रमशः रीडर, प्रोफेसर, अधिष्ठाता (डीन) एवं संस्थान के निदेशक।

प्रकाशन एवं शोध

विश्वविद्यालय के 4 एम.फिल. तथा 8 पीएच.डी. शोधार्थियों का शोध निर्देशन, लगभग 30 शोध पत्रों का प्रकाशन, विभिन्न सरकारों एवं अन्य संस्थाओं द्वारा स्वीकृत एवं प्रायोजित 11 अकादमिक शोध परियोजनाएँ पूर्ण।

पुस्तकें - SAHARA PADI, USHAKIRAN AND KARMVEERA

सम्मान एवं पुरस्कार

- कर्नाटक राज्य सरकार का कर्नाटक राज्योत्सव सम्मान।
- बृहत् बेंगलुरु महानगर पालिका द्वारा केंपेगौड़ा सम्मान।
- इंडियन साइंस कांग्रेस द्वारा जनरल प्रेसिडेंट स्वर्ण पदक।

विभिन्न समितियों / संस्थाओं में सहभाग

कर्नाटक ज्ञान आयोग के सदस्य सचिव, कर्नाटक सरकार की राज्य नवोन्मेष परिषद के सदस्य, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड के नामित सदस्य, अखिल भारतीय प्रबंध अध्ययन बोर्ड (एआईसीटीई) के सदस्य, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय की कार्यकारिणी परिषद के सदस्य, शिक्षा एवं सामाजिक अध्ययन केंद्र (सीईएसएस) बेंगलुरु के मानद अध्यक्ष, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति आयोग (डॉ. के. कस्तूरीरंगन) की ड्राफ्ट समिति के नामित सदस्य, कर्नाटक के राज्यपाल महोदय द्वारा इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के कर्नाटक चैप्टर के उपाध्यक्ष तथा केंद्र सरकार द्वारा मनोनीत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सदस्य।